**दिनांक – 10/03/2022**

**|| ओम - शांति ||**

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के प्रेमनगर सेवाकेंद्र द्वारा **दादी हृदयमोहिनी जी के प्रथम पुण्य स्मृति दिवस एवं** आजादी के अमृत महोत्सव से स्वर्णिम भारत की ओर परियोजना के अंतर्गत- “**अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस”** पर आध्यात्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया| कार्यक्रम का विषय था **“स्वर्णिम भारत की स्थापना में महिलाओ का योगदान ”** | इस अवसर पर नगर की मुख्य गणमान्य महिला अतिथि उपस्थित थी |

1. बहन अमृता सोलंकी (थाना प्रभारी, राजेंद्र नगर पुलिस स्टेशन इंदौर )
2. बहन कंचन गिदवानी (पार्षद,प्रेमनगर)
3. बहन सरिता मंगवानी (पार्षद एवं अध्यक्ष, भारतीय सिन्धु सभा महिला शाखा इंदौर )
4. बहन विनीता मोटवानी (साहित्यकार )
5. बहन सपना खत्री (साइकलिस्ट)
6. बहन योगिता छगानी (कत्थक)
7. बहन रोमा फेरवानी (योग शिक्षिका)
8. जान्हवी चांदवानी (Mrs. India 2022)
9. रवि भाटिया (प्रदेश उपाध्यक्ष, भारतीय सिन्धु सभा)
10. सुरेन्द्र लछवानी (इंदौर संभाग प्रभारी, भारतीय सिन्धु सभा)
11. बहन रेखा मेलवानी (मंच संचालन - प्रोफेसर , वैष्णव कॉलेज)
12. बी. के. शशी दीदी जी (प्रभारी, मुख्य सेवाकेंद्र प्रेमनगर इंदौर पश्चिम क्षेत्र)
13. बी.के. यश्वनी दीदी (इंदौर बिजलपुर उप सेवाकेंद्र प्रभारी )

ब्र.कु. यश्वनी दीदी एवं ब्रह्माकुमारी बहनों ने अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छो से किया तत्पश्चात सभी अतिथियों ने दादी हृदयमोहिनी जी को पुष्पांजलि अर्पित की एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया साथ ही कु. पिहू ने स्वागत नृत्य किया | साथ ही भारतीय सिन्धु सभा महिला शाखा इंदौर द्वारा ब्रह्माकुमारी शशी दीदीजी का सम्मान शील्ड एवं पुष्पमाला से किया गया |

ब्र. कु. शशी दीदी जी ने सभी अतिथियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि स्वर्णिम भारत तब बनेगा, जब हमारी भारतीय जो प्राचीन संस्कृति थी उसे हम अपने संस्कारो में उतारेंगे, जैसे दो वर्ष का बालक नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद बना, पच्चीस वर्षीया युवा मोहन, महात्मा गाँधी बने एवं साठ वर्षीय टेरेसा, मदर टेरेसा बनी, यह सब उनके माता पिता के द्वारा प्राप्त श्रेष्ठ संस्कारो से संभव हुआ |

हमारे संस्कारो को हमे श्रेष्ठ एवं दिव्य बनाना होगा, और वह तभी होगा जब हम आध्यात्मिकता से जुड़ेंगे| आध्यात्मिकता अर्थात परम सत्य की सही पहचान, स्वयं की पहचान और वर्तमान जो समय चल रहा है उसकी पहचान | राजयोग ही वह माध्यम है जिससे हम उस परम सत्य अर्थात परमात्मा से जुड़ सकते है |

तत्पश्चात श्रीमती अमृता सोलंकी जी ने संस्था की तारीफ करते हुए कहा कि उनके दैनिक कार्यव्यवहार में कैसे राजयोग मैडिटेशन एवं संस्था द्वारा मिलने वाला ज्ञान उन्हें सहायता करता है | उन्होंने कहा कि परमात्मा पर अटूट विश्वास हर कार्य सफलतापूर्वक एवं निर्विघ्न रूप से पूर्ण हो जाता है |

बहन कंचन गिदवानी ने ब्रह्मकुमारी संस्था की पूर्व मुख्य प्रसाशिका दादी हृदयमोहिनी जी की प्रशंसा करते हुए कहा की दादीजी नारी सशक्तिकरण का जीता हुआ उदहारण है| उन्होंने कहा की आज खेल के मैदानों से लेकर खेत खलिहानों तक ,संसद से लेकर सरहद की रक्षा तक विभिन्न राजनैतिक मुखिया से लेकर प्रशासनिक अधिकारी तक, विभिन्न मल्टीनेशनल कम्पनीज की सीईओ से लेकर बैंक की एम.डी. बनने तक कोई कार्य ही नहीं जो नारी के लिए असंभव हो|

अंत में बी.के. यश्वनी दीदी ने कमेन्ट्री द्वारा राजयोग अनुभूति करवाई एवं बहन रेखा मेलवानी ने कार्यक्रम का संचालन किया और बहन सरिता मंगवानी ने सभी का आभार व्यक्त किया|

 ईश्वरीय सेवा में

 बी.के शशी